

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *230
04 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

तसर रेशम का उत्पादन

***230. श्री अनन्त नायक:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने ओडिशा के क्योँझर जिले, जहाँ अनेक जनजातीय परिवार तसर रेशम उत्पादन कार्य में लगे हुए हैं, में तसर रेशम उत्पादन की संभाव्यता का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का विचार परपोषी पादपरोपण, डीएफएल उत्पादन, ककून उत्पादन, रीलिंग, बुनाई, मूल्यवर्धन, कौशल विकास और बाजार उपलब्धता के माध्यम से मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए क्योँझर में एक विशिष्ट तसर रेशम संकुल स्थापित करने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत पाँच वर्षों के दौरान विशेषकर क्योँझर सहित ओडिशा में तसर रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सिल्क समग्र अथवा किसी अन्य योजना के अंतर्गत प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) जनजातीय कीटपालको की आय बढ़ाने, प्रसंस्करण अवसंरचना में सुधार करने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, जलवायु अनुकूलन हेतु और क्योँझर को एक प्रमुख तसर रेशम केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 04.08.2026 को श्री अनन्त नायक द्वारा पूछे गए लोकसभा के तारांकित प्रश्न संख्या *230 'तसर रेशम के उत्पादन' के उत्तर के संदर्भ में उल्लिखित विवरण।

(क): जी,हाँ। क्योँझर ओडिशा के प्रमुख तसर रेशम उत्पादक जिलों में से एक है। राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिले में वर्ष 2025-26 के दौरान 24 मीट्रिक टन कच्ची रेशम का उत्पादन हुआ, जो ओडिशा के कुल 134 मीट्रिक टन (जिसमें 132 मीट्रिक टन तसर रेशम शामिल है) कच्ची रेशम उत्पादन का लगभग 18% है। जिले के 8 ब्लॉक के 325 गांवों में लगभग 4,000 परिवारों द्वारा तसर रेशम उत्पादन किया जाता है। तसर उत्पादकों को 13 प्राथमिक तसर सहकारी समितियों में संगठित किया गया है।

(ख): क्योँझर को केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित पहल के माध्यम से तसर रेशम मूल्य श्रृंखला को सशक्त बनाने के लिए प्राथमिकता दी गई है। गुणवत्तापूर्ण तसर रेशमकीट बीज, डिजिज फ्री लेइंग (डीएफएल) के उत्पादन और आपूर्ति के लिए केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) का एक बेसिक सीड मल्टीप्लिकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर (बीएसएमएंडटीसी) स्थापित किया गया है, जबकि सीएसबी की अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) इकाइयों के माध्यम से तकनीकी मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ओडिशा सरकार ने रीलिंग, विविंग, मूल्य संवर्धन, कौशल विकास और विपणन के लिए क्योँझर जिले के हरिचंदनपुर ब्लॉक के भागामुंडा में एक तसर सिल्क पार्क (टीएसपी) की स्थापना की है।

(ग): सिल्क समग्र-2 योजना के तहत, ओडिशा को वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान 4.43 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता प्रदान की गई है, जिसमें से 84.85 लाख रुपये की राशि क्योँझर जिले को आवंटित की गई है। इसके अलावा, ओडिशा सरकार ने क्योँझर जिले में तसर रेशम उत्पादन के विकास के लिए रेशम उत्पादन उद्योग का संवर्धन (पीओएसआई) योजना के तहत 3.22 करोड़ रुपये, ओडिशा खनिज क्षेत्र विकास निगम (ओएमबीएडीसी) के तहत 2.99 करोड़ रुपये और जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के तहत 24.79 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं।

(घ): सिल्क समग्र-2 के अंतर्गत प्लांटेशन विकास, रेशमकीट बीज उत्पादन, रियरिंग, रीलिंग, स्पिनिंग, विविंग, प्रसंस्करण तथा विपणन अवसंरचना के लिए सहायता प्रदान की जाती है। पिछले पाँच वर्षों के दौरान बेसिक सीड मल्टीप्लिकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर (बीएसएमएंडटीसी), क्योँझर ने 4.13 लाख डिजीज फ्री लेइंग (डीएफएल) का उत्पादन एवं आपूर्ति की तथा महिलाओं सहित 170 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया। "मेरा रेशम मेरा अभिमान एमआरएमए(1.0)" मेगा ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी अभियान के अंतर्गत केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) ने 5 जागरूकता कार्यक्रम, 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 2 क्षेत्रीय प्रदर्शन आयोजित किए, जिनसे 160 महिलाओं एवं 405 जनजातीय लाभार्थियों सहित 459 प्रतिभागियों को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, ओडिशा सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत तसर होस्ट प्लांटेशन विकसित किया, क्योँझर जिले के बंसपाल एवं भागामुंडा में 2 स्थायी होस्ट प्लांट नर्सरी स्थापित कीं, भागामुंडा स्थित तसर सिल्क पार्क को पोस्टकून सुविधाओं, सौर ऊर्जा तथा डिस्प्लेसल सेंटर से सुदृढ़ किया तथा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से कौशल विकास और तसर उत्पादों के विपणन को बढ़ावा दिया।
